



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



## Cadaver Organ Donor

**Lt. Vishnubhai Prahladbhai Patel**

**Donated his : Heart, Lung, Kidney, Liver & Eyes**

**Date:- 02/01/2021**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."



# Son calls up NGO to donate organs of brain-dead father

Having received only the second such call in 7 years, NGO says hope increases for organ donation awareness; it's country's first organ donation and transplant in 2021

Ahmedabad Mirror Bureau  
amfeedback@timesgroup.in

TWEETS @ahmedabadmirror

In a flicker of hope for organ donation initiatives by citizens, a 25-year-old youth and his two sisters approached an NGO, asking them to accept their brain-dead father's organs to give a new lease of life to others in need of them.

Akash Patel's father Vishnu Patel, 57, was declared brain dead at Mahavir Trauma Hospital in Surat on January 1. As he stepped out of the room, he saw the phone number of a local NGO that aids in organ donation displayed on the hoarding at the entrance. The 25-year-old called them up, asking them to accept the organs of his father who showed no signs of waking up again.

Volunteers at Donate Life NGO, headed by Nilesh Mandlewala, were pleasantly surprised. They had received a call to volunteer a loved one for organ donation only once before, back in 2013.

"It is not easy to make that call. Amidst the grief, shock and realisation of losing a loved one, making a call to donate organs is not one that all can make. But the brave young man was determined," said Mandlewala, a member of Gujarat human organ transplant committee.

He added, "As it was past midnight, we told him that the retrieval of certain organs would take time as doctors



Vishnubhai's heart and lungs have found recipients in Chennai

would be coming from other states to ferry them back for transplant. But he did not budge. He just asked us whether the body could be preserved at night and handed over in the morning. When we agreed, he graciously gave his assent immediately."

## The accident

On December 30, 2020, Vishnu Patel was on his way home on a bike when he slipped while trying to avoid a cow on the road. He was first taken to New Civil Hospital (NCH) and then to Mahavir Trauma Hospital. Patel, who underwent a surgery, was declared brain dead by a team of doctors on January 1, 2021.

After speaking to counsellors of the NGO, who explained the process of organ donation to the family, a request

was put forth to the Gujarat State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO). Patel's kidneys and liver were allocated to the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) and eyes to Lok Drashti Eye Bank.

However, no recipients were initially found for the heart and lungs in Gujarat.

A request was forwarded to the Regional Organ and Tissue Transplant Organisation (ROTT) in Maharashtra and from there on to the National Organ and Tissue Transplant Organisation (NOTTO) in Delhi. Patel's heart was transplanted into a 48-year-old man at MGM Hospital in Chennai and his lungs have given a new life to a 62-year-old woman at Apollo Hospital, also in Chennai.



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# Brain-dead Surat bizman 'weaves' new life for five

### 57-Year-Old's Heart, Lung Eyes, Kidneys, Liver Donated

TIMES NEWS NETWORK

**Surat:** Vishnu Patel, a 57-year-old Surat-based businessman, has woven a new fabric of life for three patients in the country, while he will provide vision to two others.

Brain-dead Patel's cadaver donation helped the needy awaiting for heart, liver and lung transplant in different corners of the country.

Patel, owner of a weaving



Kin bid tearful adieu to Vishnu Patel at a Surat hospital

unit, had met with an accident on December 30 while he was on his way from his Pandesara-based factory to his home in Dindoli area on a motorbike. He suffered severe head injuries after his bike collided with stray cattle near Dindoli. Although he was rushed to New Civil Hospital and later

#### GIFT OF LIFE

to a private hospital, Patel's CT scan revealed that he had suffered a brain haemorrhage. Doctors even removed the clotting in his brain, but was declared brain dead on January 1.

"We had received a call informing about the willingness of the family members to donate Patel's vital or-

gans. After receiving their consent, we informed Dr Pranjal Modi, convener of the State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO)" Nilesh Mandlewala, Founder of Donate Life, told TOL.

Patel's heart and lung were transported to Chennai through a chartered flight. His heart was transplanted into 58-year-old patient at Chennai's MGM hospital while his lungs were transplanted into a 62-year-old female patient at Chennai's Apollo hospital. The eyes have been donated to Surat-based Lokdrashti eye bank.

Patel's two kidneys and liver were transported from Surat's Mahavir Trauma Hospital to Ahmedabad's IKDRC via road on Saturday night. His liver was transplanted into a 45-year-old patient from Kheda.

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयान..."

# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



2021 में अंगदान का पहला मामला: बाड़क फिसलने से घायल हुआ था हादसा, चेत्रई निवासी महिला और पुरुष में हृदय व फेफड़े का ट्रांसप्लांट, खेड़ा निवासी को मिला लीवर

## सड़क दुर्घटना में ब्रेनडेड हुए वीविंग यूनिट मालिक ने पांच को दिया नवजीवन



परिविका  
सोशल  
प्राइड

परिविका न्यूज नेटवर्क

प्राइवेट रिपोर्ट



प्रेम पटेल

सूरत, दिल्ली निवासी और लीवर  
हृदय, चेत्रई 30 फिसलने से घायल हुए वीविंग यूनिट मालिक पांच को दिया जाएगा। यह घायल बाल की गोदान का एक घायल बाल बन गया है।

प्रेम पटेल को दिल्ली निवासी और लीवर हृदय, चेत्रई 30 फिसलने से घायल हुए वीविंग यूनिट मालिक पांच को दिया जाएगा। यह घायल बाल की गोदान का एक घायल बाल बन गया है।



प्रेम पटेल की नाबीनी अस्पताल से रामबन रिटायर ही नहीं।

प्रियंका ने दिल्ली वे नाबीनी परिवर्ति ने दीपेट लाइफ एम्प्लायमेंट में शोध बोर्ड के बाहर आपको जानकारी दी गई। अस्पताल के दीपेट लाइफ एम्प्लायमेंट में शोध बोर्ड के बाहर आपको जानकारी दी गई। अस्पताल के दीपेट लाइफ एम्प्लायमेंट में शोध बोर्ड के बाहर आपको जानकारी दी गई।

नए साल में देश का पहला अंगदान सूरत से

अस्पताल नाबीनी में देश के हृदय एवं लीवर की 35वीं मरण है। अस्पताल की नाबीनी में लीवर एवं हृदय 20 फिसलने से घायल हुए वीविंग यूनिट मालिक और अस्पताल और लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर एवं हृदय एवं लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। यह एक बाल का एकल अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है।

प्रेम पटेल की नाबीनी अस्पताल के द्वारा यह एक बाल का एकल अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है।

अस्पताल में देश का पहला अंगदान सूरत से अस्पताल की नाबीनी में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। अस्पताल की नाबीनी में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है।

सूरत में फेफड़े लीवर, वी, लीवर और हृदय की नाबीनी में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है। अस्पताल में लीवर एवं हृदय एवं लोकोपदी व लोकसंघर्ष में लीवर का ट्रांसप्लांट हुआ है।

## वर्ष 2021 का पहला कैडेवर ऑर्गान डोनेशन किया पटेल परिवार ने

►लम्स व्यापारी के परिवार ने अंगों का दान कर पांच व्यक्तियों का महकाया जीवन

बीओटी संवाददाता

सूरत, 03 जनवरी

सूरत शहर के पांडिसग विस्तार में रहने वाले लम्स के व्यापारी की मृत्यु होने के बाद उनके परिवार ने अंगों को दान करने का फैसला कर ना केवल मानवता की भिसाल पेश की विक्तिकारी पांच व्यक्तियों का जीवन महकाया है। इसके साथ ही वर्ष 2021 का पहला कैडेवर ऑर्गान डोनेशन पटेल परिवार द्वारा किया गया है।

विष्णु पटेल सूरत शहर के डिलोली विस्तार में बीव्हू अंबिका सोसायटी में अपने परिवार के साथ रहते हैं और पांडेसरा के प्रमुख पार्क सोसायटी में कृष्ण टेक्सस्टाइल के नाम से उनका लम्स का कारखाना भी बीव्हू था उस टॉप कूछ दिनों पहले ऑफिस से घर लौटते बैक रास्ते में गाय की बचते बचते उनकी



गाड़ी सिलप हो गई हो गंभीर चोट लगने पर उन्हें तत्काल इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल से निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर सिटी स्कैट करवाने के बाद दिमाग में खून चम गया होने का स्पष्ट होने पर विशेषज्ञों द्वारा गहरी जांच पढ़ाताके बाद उन्हें फ्रेन डेड घोषित किया गया।

57 वर्षीय विष्णु पटेल की मौत से परिवार में सुख की कालिमा छा गई हालांकि अस्पताल में उन्होंने डोनेट लाइफ संस्था का बैनर अंग दान जीवन दान का देखा और उन्होंने डोनेट लाइफ संस्था का संपर्क किया जिसमें परिवार के हितों भाई ने

बताया कि कुछ दिनों पहले उन्होंने जस संजीव ज्ञा नामक बाल साल के विच के अंगदान को लेकर समाचार वर्तमान पत्रों में पढ़े थे और तब उन्हें लगा था कि अंगदान से यदि हूसरे व्यक्तियों को नया जीवन प्राप्त होता है तो उसे अवश्य करना चाहिए। इसीलिए विष्णु पटेल के हृदय और फेफड़े तथा किडनी लोवर एवं आंखों का दान कर 5 व्यक्तियों की जिंदगी को रोशन किया गया।

सूरत से चेत्रई का 1618 किलोमीटर का सफर 170 मिनट में काट कर हृदय की एमजीएम अस्पताल में चेत्रई के

58 वर्षीय निवासी व्यक्ति में और फेफड़ों का ट्रांसप्लांट अपीलो अस्पताल में चेत्रई के 62 वर्षीय निवासी महिला में किया गया। यही सूरत की महावीर अस्पताल से अहमदाबाद की अस्पताल का 270 किलोमीटर का मार्ग 190 मिनट में लग कर लीवर का ट्रांसफर खेड़ा के निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति में किया गया। जबकि दोनों किडनी खराब हो जाने के कारण उनका ट्रांसफर ना हो सका। इसके साथ ही गुजरात में से हृदयदान का यह 39 वां मामला है जिसमें डोनेट लाइफ संस्था द्वारा 31 वी घटना है। इन सभी में 20 हृदय मुंबई और पांच हृदय अहमदाबाद तथा चार हृदय चेत्रई एवं एक हृदय इंदौर के अतिरिक्त एक हृदय न्यू दिल्ली में ट्रांसप्लांट किया गया है वही गुजरात में से फेफड़ों के दान की यह सातवीं घटना है जिसमें सूरत में से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा फेफड़े करवाने की छठी घटना है जिसमें से छे फेफड़े चेत्रई चार फेफड़े मुंबई और दो फेफड़े बैंगलुरु में ट्रांसप्लांट किए गए हैं।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## ब्रेनडे कारोबारी के अंगदान से पांच लोगों को नया जीवन मिला

सूरत से हेल्पर्स तक  
1618 किमी की दूरी  
170 मिनट में तयकर  
हृदय प्रत्यारोपण

मुख्य स्टोरेजल संचालनाला

**मुख्य:** वर्ष 2021 का चालना के दौरान अंग दान विष्णुभाई प्रह्लादभाई पटेल के परिवार के सहायता से सूरत से लॉकडाउन संसाधा द्वारा किया गया है। बैन डैड 57 वर्षीय व्यावायी विष्णुभाई पटेल के परिवार ने पांच लोगों को दिल, कंफर्न, गुर्दे, शिवर और अंग दान की है और मालवा को एक से जीवन करने की मुश्किल पैदलकर समाज को एक नई दिशा दी है। सूरत से हेल्पर्स तक 1618 किमी की दूरी 170 मिनट में कारों गई और चंडीगढ़ के 58 वर्षीय न्यूक पर हृदय प्रत्यारोपण किया गया तथा चंडीगढ़ की 62 वर्षीय महिला पर फैसले का प्रत्यारोपण किया गया। जबकि शिवर दुर्घटनाद



अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिझोर्ज एंड रिसर्च सेंटर (आईएडीआरसी) में किया गया है।

विंडोली खोल को अधिकारी मोमाइडी में 57 वर्ष के विष्णुभाई प्रह्लादभाई पटेल शिवर के साथ रहने वे अपने जीवन के लिए एक गाह को बचाते हैं और वे गंभीर रूप से बायात ही गए। उन्हें तुरी त्रापात्र के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और आगे के उपचार के लिए एक नियो अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। परिवार के सदस्यों ने एक इकाई में बुनाई की एक लालौरी में बुनाई की एक इकाई में 30 दिसंबर, 2020 को

विष्णुभाई पांडेयरा में बुनाई की गेहड़ी से 7,15 बजे अपनी बायात से बिंदीली पांप जारी हो गई तथा रस्ते में एक गाह को बचाते हैं और वे गंभीर रूप से बायात ही गए। उन्हें तुरी त्रापात्र के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और आगे के उपचार के लिए एक नियो अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। परिवार के सदस्यों ने एक इकाई में अपने दान दोषदार का बंदिश पढ़ा तो हमें लगा कि यह बहुत ही देव काम है जो अन्य अधिकारी वे पुनर्जीवित करता है। इसलिए जब हमारे रिशेंडर डॉन होड हैं जीव नाम के साथ माल के बजे के अंग दान की बदल पढ़ी हो हमें लगा कि यह बहुत ही देव काम है जो अन्य अधिकारी वे पुनर्जीवित करता है। इसलिए जब हमारे रिशेंडर डॉन होड हैं जीव नाम के साथ माल के बजे के अंग दान की बदल

के कारण मालक में रक्त के खें का पका भला। इकिर्ती ने मालक में रक्त के खें को दूर करने के लिए एक अधिकारी वे पुनर्जीवित करता है। इन्होंने जीव नाम के साथ माल के बजे के अंग दान की बदल

इसलिए परिवार के लिए डॉनेट लाइफ संगठन से संपर्क किया और अंग दान की दूरी प्रक्रिया को समझा। परिवार के सदस्यों ने कहा कि जब हमने कुछ दिनों पहले अधिकारी में जीव संबोध और जीव नाम के साथ माल के बजे के अंग दान की बदल

प्रत्यारोपण के लिए कोई मरीज नहीं है।

मैशनल ऑर्गेन ट्रान्स्प्राइटलाइट ऑर्गेनाइजेशन (एनओटीटीओ) से भी संपर्क किया गया तथा बोर्ड ऑफ अपोलोटीटीओ मुख्य में कोई मरीज नहीं है। इस दो एनओटीटीओ द्वारा एम्बेलिमेंट अस्पताल, जीव हीरे एफएसी को अपोलो अस्पताल, जीव हीरे को आवृत्ति किया गया था। जबकि डॉन होड हैं जीव नाम के साथ माल के बजे के अंग दान की बदल निश्चित है, तो हम अंग दान करने के लिए वैयक्ति हैं। अंगों को दान करने करने के लिए परिवार की मालियां विशेष के बाब डॉनेट एमओटीटीओ द्वारा ईमोटिप्रूट ऑफ किडनी डिसीज एवं रिसर्च सेन्टर (आईएडीआरसी) अहमदाबाद की आवृत्ति किए गए, जो एम्बेलिमेंट और अपोलो अस्पताल की ओर, जो तभी चंडीगढ़ से मुख्य आया थी, ने इस तार के दिन और फैसलों के दान को स्वीकार किया। आईएडीआरसी, अहमदाबाद के डॉनोरों को दोष द्वारा किडनी और शिवर दान को स्वीकार किया। अंगों के दान के लिए किडनी और शिवर दान को स्वीकार किया गया। अंगों के दान को स्वीकार कर दिया।

## अंगदान | सुरतथी 1618 किमीनुं अंतर 170 मिनिटमां कापी हृदय-फेफ्सां येज्ञाई पहुँचायां

# वर्ष 2021नुं प्रथम ओर्गन डोनेशन, डिडोलीना ब्रेनडे कारखानेदारे पांचने नवुं जुपन आप्युं

ठेल्विपोर्ट सुरत

समग्र देशमां वर्ष 2021नुं प्रथम ऑर्गेन डोनेशन अंगदानमां अभेशर ऐवा सुरत शेर्डमांथी यहुं छे। डिडोलीमां रहेता अने अक्षमात बाद ब्रेनडे थथेला कारखानेदारना परिवारे तेमना अंगोनु दान करी 5 व्यक्तिने नवुं जुपन आप्युं छे। तेमना हृदय अने केक्सानुं सुरतथी 1618 किमीनुं अंतर 170 मीनीटमां



विष्णु पटेल

कापीने येन्नाईनी लोस्पिटलमां बे दृष्टिअभावां ट्रान्स्प्लान्ट करायुं छे। डिडोलीनी अभिका सोसायटीमां रहेता विष्णुभाई प्रह्लादभाई पटेल (57) ता. 30 इसेम्बरे प्रमुख पाई किंज परवी जता रहता त्यारे अचानक गाय आवी जता बाईक स्लीप थठी छती। सिविल बाद खानगी लोस्पिटलमां दानब करी सिटीस्केन करायता हेमरेजना करते भगवान्मा लोहीनो गङ्गो जामी गयानुं जपाता तभीबोमे लोहीनो गङ्गो दुर क्यों हतो, जोके 1ली जान्यु. अंग तभीबोमे भेनडे जहेर करता अंग दान कराया हता।

## गुजरातमां हृदय ट्रान्स्प्लान्ट माटे दृद्दी न भज्या

गुजरातमां क्षेत्र ट्रान्स्प्लान्ट माटे दृद्दी नहि छोवाने करतो क्षेत्र गुजरातमां क्षेत्र मान्य मॉर्गनी एन्नाईनी एपोलो लोस्पिटलने अपाया हता। ज्यापेरे किडनी अने लिवर अभेशरावानी IKDRC ने आप्या हता। येन्नाईनी सुरत आवी MGM अने एपोलो लोस्पिटलनी टीमे हृदय अने केक्सानुं दान स्वीकार्यु हतुं। बक्षुओनु दान लोकदानी यस्तुलें लिव्हार्पैन्ट हतुं।

## लिवर खेडाना युवानमां ट्रान्स्प्लान्ट करायुं

सुरतथी येन्नाईनुं 1618 किमीनुं अंतर 170 मिनिटमां कापीने हृदयनुं ट्रान्स्प्लान्ट येन्नाईना 58 वर्षीय व्यक्तिमां अने केक्सानुं ट्रान्स्प्लान्ट 62 वर्षीय भिलामां करायुं छे। अभेशरावानी IKDRC लोस्पिटल सुधीनुं 270 किमी रोड भार्यानुं अंतर 190 मिनिटमां कापी लिवरनुं ट्रान्स्प्लान्ट खेडाना 45 वर्षीय व्यक्तिमां करायुं छे। भने किडनी भराब लोय ट्रान्स्प्लान्ट करायुं नहीं।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતમાંથી વર્ષ ૨૦૨૧નું દેશનું પ્રથમ અંગદાન

## પાંડેસરાના વિવિંગ યુનિટ સંચાલકનાં અંગદાનથી પાંચ જિંદગીમાં રંગીન વણાટ

(પ્રતિનિધિ દારા)

સુરત રવિવાર

પાંડેસરામાં પ્રોફેચર અક્સમાત બાદ બેન્ડિનડ જાહેર થતા પરિવારના સભ્યોએ તેમના હદ્ય, ફેફસાં, કિડની, લિવરઅને ચક્કાઓનું દાન કરીને પાંચ વ્યક્તિઓને

સિવિલ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. બાદમાં વધુ સારવાર માટે અઠવાગેટની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. જ્યાં સીટી સેન કરાવતાં બેન્ડિન હેમરેજને કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું

હતા. જ્યારે કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદની ઇન્સિટયુટ ઓફ કિડની રીસીસી એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટરના ડોક્ટરની ટીમે સ્વીકાર્ય હતું. અને ચક્કાઓનું દાન લોકડાયી ચક્કાઓના ડોક્ટરે સ્વીકાર્ય હતું.

નવું વણવન બલાવા સાથે માનવતાની મહેક ફેફાવી છે. સુરતથી ચેનાઈનું ૧૬૧૮ કિ.મીનું અંતર ૧૭૦ મીનીટમાં કાપીને હદ્યનું ચેનાઈના વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

મૂળ મહેસૂસાના ઊંઝા તાલુકાના ઉપેરા ગામના વતની અને હાલ ડિડોલી-ખરવાસા રોડ પર અંબિકા સોસાયટીમાં રહેતા વર્ધના વિષ્ણુભાઈ પ્રહલાદભાઈ પટેલ પાંડેસરા પ્રમુખ પાર્ક સોસાયટીમાં કિભા ટેક્સટાઇલ



નામના વીવીંગ યુનિટ ચલાવતા હતા. તા. ઉત્તેજ આનંદ કિરણ પરથી રાતે મોટરસાયકલ પર પ્રમુખ પાર્ક પાસે શ્રીજ ઉત્તરીને ઘર તરફ જઈ રહ્યા હતા. ત્યારે રસ્તામાં ગાય આવી જતા અચાનક બ્રેક મારવાથી મોટરસાયકલ સ્લીપ થઈ ગઈ હતી. જેમાં તેમને માથાના ભાગે અને ગાંધીયી ઈજા થવાથી સારવાર માટે નવી

નિદાન થયું હતું. શુક્રવારે ડોક્ટરે તેમને બેન્ડિન જાહેર કર્યા હતા. તેથી પરિવારના સભ્યોએ ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાનો સંપર્ક કરી અંગદાનની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી હતી. ગુજરાતમાં હદ્ય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દી નહીં હોવાથી હદ્ય ચેનાઈની ખાનગી હોસ્પિટલને અને ફેફસાં પણ ચેનાઈની ખાનગી હોસ્પિટલને કણવવામાં આવ્યા

કિડની ખરાબ થઈ ગઈ હોવાથી તેનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થઈ શક્યું નથી. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ હારા ઉઠ્પ કિડની, ૧૫૮ કિડની, ૮ પેન્ડીઅસ, ૩૧ હદ્ય, ૧૨ ફેફસાં અને ૨૭૮ ચક્કાઓ કુલ ૮૫૬ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૮૬ વ્યક્તિઓને નવું વણવન અને નવી દ્રષ્ટિ બલાવામાં સક્ષમતા મળી છે.

**૧૬૧૮ કિ.મીનું અંતર ૧૭૦ મીનીટમાં કાપીને હદ્યનું ચેનાઈનાં  
વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ : ગાય રસ્તામાં આવી જતા અક્સમાત થયો હતો**

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્યાન... "



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

**સુરતમાંથી હૃદયના દાનની 31મી અને ફેફસાના દાનની છહી ઘટના**

# **વર્ષ 2021નું પ્રથમ અંગ દાન : બ્રેદિનડેડ જાહેર થયેલા લુભ્સ કારખાનેદારના અંગોનું દાન કરાયું**

**પરિવાર દ્વારા હૃદય,  
ફેફસા, લિવર, કિડની  
અને ચયક્સુઓનું દાન કરાયું**

**સુરત:** મૂળ મહેસુસાણા છિલ્લાના ડિઝિટાલ તાલુકાના ઉપેરા ગામના વતની અને હાલ ડિઝેલી ખરવાસા રોડ પર અંબિકા પાર્કમાં રહેતા 57 વર્ષિય વિષ્ણુભાઈ પ્રહલાદભાઈ પટેલ હાલ પડિસરા પ્રમુખ પાર્કમાં કિંખા ટેક્સટાઇલના નામે વિવિંગ યુનિટ ચલાવે છે. તેઓ ગત તારીખ 30 ડિસેમ્બરના રોજ પડિસરામાં વિવિંગ ખાતા પરથી રાત્રે સાડાસાત વાગ્યે પોતાની મોટરસાઈકલ પર ધરે જવા નીકલ્યા હતા. તેઓ ડિઝેલી ધર તરફ જઈ રહ્યા હતા ત્યારે જ રસ્તામાં ગાય આવી જતા તેઓએ બાઈકને બ્રેક મારતા બાઈક સ્લીપ ખાઈ ગઈ હતી. તેઓને માથાના ભાગે તથા ગાબા પગે ગંભીર ઈજા પહોંચી હતી. પરિવારને જાણ થતા તેઓ વિષ્ણુભાઈને પહેલા સિવિલ હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા, જ્યાંથી વધુ સારવાર અર્થે અઠવાગેટની ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ જવામાં આવ્યા હતા. જ્યાં નિદાન માટે સીટી



## **સુરતથી ચેન્નાઇનું 1618 કિ.મીનું અંતર 170 મીનીટમાં કાપી હૃદય અને ફેફસા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા**

વિષ્ણુભાઈને તબીબોએ બ્રેદિનડેડ જાહેર કરતા પરિવારે તેઓને અંગદાનનું દાન કરવામાં આવતા તેઓનું છદ્ય અને ફેફસા માટે ગુજરાતમાં કોઇ દર્દી નહીં હોવાયી તેને ચેન્નાઇની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ આવે અને જરૂરીયાત પાત્ર બે દર્દી માટે છદ્ય અને લિવર પહોંચાડવામાં આવ્યા હતા. તેમાં સુરતથી 1618 કિલોમીટરનું અંતર 170 મીનીટમાં કાપીને દર્દીના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા.

સેન કરાવતા બ્રેદિન હેમરેજના કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું બહાર આવ્યું હતું. તબીબોએ ઓપરેશન કરી મગજમાંથી લોહીનો ગઢો દુર કર્યો હતો. દરમિયાન ગત તારીખ 1 જાન્યુઆરીના રોજ તબીબોએ વિવર વિષ્ણુભાઈને બ્રેદિનડેડ જાહેર કર્યા હતા. તબીબોએ ડેનેટ લાઈફના આગેવાનોને જાણ કરતા ડેનેટ

લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલમાં પહોંચી ગઈ હતી. ટીમે પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજવી લદ્ય, ફેફસા, લિવર, કિડની અને બે ચયક્સુઓનું દાન લેવામાં આવ્યું હતું. વિષ્ણુભાઈનું લિવર ખેડાના 45 વર્ષિય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે કિડની ખરાબ થઈ ગઈ હોવાથી તેનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થઈ શક્યું ન હતું.

**" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હૃદયાનાં..."**



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# દેશમાં વર્ષ ૨૦૨૧ના પ્રારંભમાં પ્રથમ અંગદાન સુરતમાંથી ડિડોલીના કડવા પટેલ મોટા બાવન બાવીસ સમાજના આધેડનું અંગદાન

| સુરત |

ડિડોલીના કડવા પટેલ મોટા બાવન બાવીસ સમાજના બેઈનડેડ લુભ્સ કારખાનેદારના અંગોનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન આપાયું હતું. આધેડ લુભ્સ કારખાનેદારના ફેફસા, હદ્ય, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી પરિવારે સમાજમાં એક દામલો બેસાડ્યો છે.

મુણ મહેસાગ્રા, ઊંજાના ઉપેરાગામના વતની વિષ્ણુભાઈ પહેલાદભાઈ પટેલ (ઉ.વ.પ.જ) પરિવાર સાથે ડિડોલી-ખરવાસા રોડ પર આવેલી અંબિકા સોસાયટીમાં રહેતા હતા. પાંડેસરા પ્રમુખ પાઈ ખાતે કિષ્ણા ટેક્સટરીએલ નામથી લુભ્સ કારખાનું ચલાવતા વિષ્ણુભાઈ ગત તા. ૩૦ ડિસેમ્બરના રાતે કારખાનેથી બાઈક પર ઘરે આવી રહ્યાં હતા, ત્યારે પ્રમુખ પાઈ બિજ પરથી ડિડોલી તરફ જતી વખતે બિજ ઉત્તરતા તેમની બાઈક આગળ ગાય આવી ગઈ હતી. જેને પગલે સર્જાયેલા અકસ્માતમાં વિષ્ણુભાઈને



માથામાં તથા શરીરે ઈજા થવા પામી હતી. તથીબી તપાસ દરમિયાન તેમને બેઈન ડેમરેજ અને મગજમાં લોહીના ગઢો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. દરમિયાન ગત તા. ૧૮૮ જાન્યુઆરીએ તેમને બેઈન ડેડ ઘોષિત કરાયા હતા. જેની જાગ થતાં ડોનેટ લાઈફ હારા વિષ્ણુભાઈના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવાયું હતું. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, વિષ્ણુભાઈના પરિવારે તેમના હદ્ય,

કિડની, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બખી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે. તેમના હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેત્રાઈના રહેવાસી પછી વર્ષીય વ્યક્તિમાં અને ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેત્રાઈની રહેવાસી ૬૨ વર્ષીય મહિલામાં કરાયું હતું. જ્યારે લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બેડાના રહેવાસી ૪૫ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અને બંને કિડની ખરાબ થઈ ગઈ હોવાથી તેનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થઈ શક્યું નથી.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્યાન... "



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# સુરતના બિજનેસમેને હદ્ય, ફેફસાં, કિડની, લિવર, ચક્ષુનું દાન કરી 5ને નવજીવન બક્ષ્યું

» સુરતથી ચેનાઈનું 1618  
કિમીનું અંતર 170 મિનિટમાં  
કાપીને હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

નવગુજરાત સમય > સુરત

■ વર્ષ 2021નું પહેલું કેઠેવર ઓર્ગાન ડોનેશન વિષ્ણુભાઈ પ્રહલાદભાઈ પટેલના પરિવારજનોના સહયોગથી સુરતથી ડોનેટ લાઈફ દારા કરવવામાં આવ્યું છે. બ્રેઇનડેડ 57 વર્ષથી વિવિંગ ફેક્ટરી પરાવતા બિજનેસમેન વિષ્ણુભાઈ પટેલના પરિવારે તેમના હદ્ય, ફેફસાં, કિડની, લિવરઅને ચક્ષુઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે. સુરતથી ચેનાઈનું 1618 કિમીનું અંતર 170 મિનિટમાં કાપીને હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેનાઈના રહેવાસી 58 વર્ષથી વ્યક્તિમાં અને ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચેનાઈના



રહેવાસી 62 વર્ષથી મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની IKDRCમાં કરાયું છે.

ડીડોલી વિસ્તારમાં આવેલી અંબિકા સોસાયટીમાં 57 વર્ષથી વિષ્ણુભાઈ પ્રહલાદભાઈ પટેલ પરિવાર સાથે રહેતા હતા અને પાર્સિસરા પ્રમુખ પાર્ક સોસાયટીમાં કિઝા ટેક્ટાઈલના નામથી વિવિંગ યુનિટ ચલાવતા હતા. 30 ડિસેમ્બરના રોજ વિષ્ણુભાઈ પાર્સિસરામાં આવેલ પોતાની વિવિંગ ફેક્ટરી પરથી રાત્રે 7.15 કલાકે પોતાની બાઈક પર પ્રમુખ પાર્ક પાસેના શ્રીજ ઉતરીને પોતાના ઘરે ડીડોલી તરફ જઈ રહ્યા હતા ત્યારે રસ્તામાં ગાય આવી

જતા તેઓએ બ્રેક મારતા બાઈક સ્લોપ થઈ પડી જતા તેઓને માથાના ભાગે હજા થવાથી બ્રેઇન ડેમરેજને કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ડોક્ટરોએ કેનીઓટોમી કરી મગજમાં જામેલો લોહીનો ગઢો દુર કર્યો હતો. પરિવારને આર્ગાન ડોનેશનની સંમતિ આપી હતી। જાન્યુઆરીના રોજ ન્યૂરોસર્જન, ન્યૂરોફિઝિશિયન, ઇન્ટેન્સીવીસ્ટ, ફિઝિશીયન સહિતના તથીબોએ વિષ્ણુભાઈને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યો હતા. ત્યારબાદ હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ MGM હોસ્પિટલમાં ચેનાઈના રહેવાસી 58 વર્ષથી વ્યક્તિમાં અને ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ એપોલો હોસ્પિટલમાં ચેનાઈની રહેવાસી 62 વર્ષથી મહિલામાં કરાયું છે. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બેડાના રહેવાસી 45 વર્ષથી વ્યક્તિમાં કરાયું છે. જ્યારે બંને કિડની ખરાબ થઈ ગઈ હોવાથી તેનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થઈ શક્યું નથી.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## સુરતના વધુ એક બ્રેઇન ટેક દાતા અને ત્રણને નવજીવન આપ્યું

શ્રી. તા. ડૉ.

વર્ષ ૨૦૨૧ના નવા વર્ષ દશમાં  
સૌ પ્રથમ સુરતથી ઓનેટ લાઈફ  
સંસ્થા દ્વારા કરવા પેટેલ મોટા ભાવન  
ભાવીઓ સમજાળના બ્રેઇનડેટ વિષ્ણુભાઈ  
પ્રહલાદભાઈ પેટેલનું હદ્દ્ય ૧૯૧૮ ડી.  
મીનું અંતર ૧૩૦ મિનીટમાં અપોને  
ચેમાઈના ૫૮ વર્ષથી વ્યક્તિમાં  
દ્રાન્યાલાન્ડ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે  
બેંકસાનું દ્રાન્યાલાન્ડ એક દર વર્ષથી  
મહિલાનું કરવામાં આવ્યું હતું. આ



**પાંદેસરામાં રહેતા કાપડના કારખાનેદાર વિષ્ણુ પેટેલ મોટર  
સાઈકલ સ્લીપ થઈ જતાં ગંગભીર સાથે બ્રેઇન ટેક થઈ ગયા હતા**

કિના ટેકટાઈલના નામે વિવિંગ યુનિટ  
ઉપરોક્ત અમદાવાદ ખાતે વિવરનું પત્ર  
દાન કરવામાં આવ્યું છે.  
પાંદેસરા પ્રમુખ પાર્ક સોસાયટીમાં પ્રહલાદભાઈ પેટેલ (૩.૩.૫૭) મુજબ

મહેસુદ્ગાના ઊરા તલુકાના ઉપરા  
નામના વતની હતા. દરમિયાન જેલ  
૩૦ ડિસેમ્બરના ચોઝ વિષ્ણુભાઈ તેમના  
પરીક્ષા ચિનિયાની રોજ તેમને બ્રેઇનડેટ જાહેર

\* અનુસંધાન પાલા ૫ ઉપર

**વિષ્ણુ પેટેલનું હદ્દ્ય ચેમાઈના ૫૮ વર્ષની વ્યક્તિના શરીરમાં, ફેફસાં ૬૨  
વર્ષની મહિલાનાં શરીરમાં અને લીવરનું અમદાવાદ ખાતે દાન કરાયું**

### સુરતના વધુ એક...

કરાયા હતા. પરિવારજનોએ પોતાના  
સ્વજ્ઞનના અંગોનું દાન કરવાનું નક્કી  
કરી ઓનેટ લાઈફ સંસ્થાનો સંપર્ક કર્યો  
હતો. ઓનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલા  
અને તેમની ટીમના સભ્યોએ બ્રેઇનડેટ  
વિષ્ણુભાઈના પત્ની આનંદીબેન, પુત્ર  
આકાશ, પુત્રી પિંકી અને સોનલ તેમજ  
ભાઈ હસમુખને અંગદાનનું મહત્વ  
સમજાવ્યુ હતું. ત્યારબાદ અંગદાન કરવાનું  
નક્કી કરતા બ્રેઇનડેટ વિષ્ણુ પેટેલના  
હદ્દ્ય, કિડની તેમજ લિવર અને ચ્યક્સુઓનું  
દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવુ જીવન  
આપવામાં આવ્યું હતું.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેનડેટ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્દ્યાટાન..."





# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 2nd January, 2021

375  
**KIDNEY**  
153  
**LIVER**  
8  
**PANCREAS**  
31  
**HEART**  
12  
**LUNGS**  
278  
**CORNEA**

DONATE LIFE™  
an initiative of organ donation

Which has given new lease of life &  
vision to 786 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."